7 लय केरअनुभव करू - *ता क ता की ता*

0337CH07

सङ्गीतमे लय केर बहुत महत्व अछि।

घड़ी केर टिक-टिक, टोटी सँ चुबैत पाइन अथवा चिड़ै केर चहचहीकेँ अकाँनू।

- आओर कथीमे अहाँकेँ ताल बुझाइत अछि?
- एहन कोन अवाज अछि जाहि मे ताल नहि अछि? गाछक सरसराइत पात, प्रेशर कुकर केर सीटी, आओर भीड़ मे कार केर भोपू बजायब ई सभ एहन अवाज अछि जाहि मे कोनो स्थिर ताल नहि होइत अछि।

अहाँ कैँ स्थिर ताल पसीन अछि की अनियमित ताल पसीन अछि? एहन आओर कोन उदाहरण अछि जाहि विषयमे अहाँ सोच सकैत छी?

गतिविधि 1 एक दू तीन चारि!

नीचाँ देल गेल ताली, चुटकी, पैरक थाप आ थापक चित्र एकटा पैटर्नमे अछि। ओकरा अजमाउ।
एहन चारि गोट आओर लय ताल बनाउ आ आनन्द लिअ।

1.				
2.				
3.				

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2 बाजक आ प्रतिक्रियाक मानचित्र

टिप्पणी

हमसभ अपन देहक उपयोग करैत एना कऽ लय बना सकैत छी-

- ताली बजाकऽ
- चुटकी बताकऽ
- पएरक थाप सँ
- मुँहसँ ध्वनि निकालि कऽ

एकर संख्या निर्धारित करू-

ताली – 1

चुटकी – 2

पएरक थाप – 3

मुँहसँ एक प्रकारक ध्वनि निकालब – 4

अपन देहक उपयोग करैत अपन लय केर पैटर्न बनाउ।

आब, एहन लय बनबैत रहू।

(क)	1	2	3	4
(ख)	2	3	1	4
(ग)				
(घ)				
(ङ)				
(च)				
(छ)				
(ज)				

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3 आउ, एकटा प्रेरक गीत सुनी आ सीखी

आउ, दुनियाँ भरिक कतेको भागमे गाओल जाइबला एकटा बहुत प्रसिद्ध लोकप्रिय गीत सीखू।

हमसभ हेबइ सफल

हमसभ हेबइ सफल ,
हमसभ हेबइ सफल ,
हमसभ हेबइ सफल ,एक दिन।
हाँ हाँ मोनमे छै विश्वास
पूरा छै विश्वास,
हमसभ हेबै सफल ,एक दिन।

अङ्गरेजी

We shall overcome,
we shall overcome,
we shall overcome some day.
Oh, deep in my heart,
I do belive,
we shall overcome some day.

हिन्दी

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब,
हम होंगे कामयाब एक दिन।
हो हो मन मे है विश्वास
पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब एक दिन ।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 4 वाद्ययन्त्रक सङ्ग ताल सीखू

अपन पसीनक गीत केर लय बनाउ।

की अहाँ डाण्डिया केर काठी, क्लैपर, मञ्जीरा, डफली, मराकस अथवा खड़तालसँ लय बना सकैत छी?

अहाँकेँ एहि वाद्ययन्त्रसभकेँ उचित लयमे बजएबाक आनन्द भेटत।

अहाँकेँ बूझल अछि की ?

तालक अवधारणा केर सबसँ पहिल उल्लेख सामवेद मे भेटल अछि। उत्तर आ दक्षिण भारतक ताल प्रणाली 16म शताब्दी धरि अलग नहि छल।

गतिविधि 5 अप्पन देहक सङ्ग लय सीखू

ताली बजा कऽ वा अपन पएरक थाप लगा कऽ गिनती शुरू करू (एक बेरमे एक)। ताल रखबाक लेल विभिन्न प्रकारक तालीक प्रयोग करू - अपन बाम दिस, दहीन दिस, ऊपर वा खाली।

जेना कि 1, 2, 3, ताली, 4, 5, 6, ताली – 1, 2, 3, दहिना दिस ताली, 5, 6, 7, बामा दिस ताली – 1, 2, 3, अपन माथक ऊपर 5. 6. 7, खाली।

एहिसँ अहाँकेँ बुझाएल हएत जे ताली बजएबाक ई विधि अपन लयकेँ बना कऽ रखबामे मदति करैत अछि। 5-10 मिनट केर अभ्यासक बाद एहिमे किछु तबलाक बोल सेहो जोड़ि दियौ।

ताली आ गिनतीक सङ्ग धा गे ना ती (दोहराउ)। तखन ताली आ गिनतीक सङ्ग ना का धी ना जारी राखू।

'धा गे न ती न क धी न' बोल बला तालकेँ कहरवा कहल जाइत अछि।

अही प्रकारे आदि ताल अछि, जाहिमे 8 अक्षर काल (8 ताल) होइत अछि।

'ता क धी मी - ता क झ नु'

एहि गीतक सङ्ग ई ताल बजाओल जा रहल अछि।

चलू आनन्द लैत छी - ताली बजाउ, गाबू आ आगा बढ़ू।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 6

सङ्गीतमे स्वर (*नोट्स*) सीखू

भारतीय शास्त्रीय सङ्गीतक सङ्गहि दुनियाभरिक सङ्गीतक अन्य कतेको रूपमे सातहिटा स्वर अछि।

सा, रे, ग, म, प, ध, नी ....

उपरोक्त स्वरक बाद 'सा' गाउ मुदा उच्च स्वर मे। एहि सातटा स्वरकेँ एक सङ्ग सप्तक कहल जाइत अछि।

आउ हमसभ एहि सातो स्वर केँ किछु बेर ऊपर आ फेर नीचाँ कऽ क गबैत छी।

अहाँके बूझल अछि की ?

नाट्य शास्त्र भरत मुनि द्वारा लिखल भारतक एकटा प्राचीन ग्रन्थ अछि। एहिमे सङ्गीत, नृत्य आ नाटक पर चर्चा कएल गेल अछि। की अहाँ जनैत छी जे नाट्य शास्त्रमे सङ्गीतक सभ स्वर भिन्न भावसँ जुड़ल अछि? एकर अर्थ ई भेल जे अहाँ जे सङ्गीत बजबैत छी वा गबैत छी ओ अहाँकेँ अलग प्रकारक अनुभव करा सकैत अछि। ओ अहू पर निर्भर करैत अछि जे कोन स्वरक उपयोग कएल जा रहल अछि!

© NCERT not to be republished

गतिविधि 7 चलू गबैत छी: माथ कान्ह ठेहुन आ गोर

चलू एकटा मजगर गतिविधि करी। गबैत काल अपन माथ, कनहा, ठेहुन आ पयरक औंठाक स्पर्श करू।

एहि सँ समन्वय कौशलमे सहयोग भेटत, आ अहाँकेँ पञ्जाबी भाषाक सेहो परिचय करबा देत!

गीतक बोल

सिर, मोडे, गोडे, पैर, गोडे, पैर।
सिर, मोडे, गोडे, पैर, गोडे, पैर।
नाले अख, नाले कन, नाले मुँह, नाले नक।
सिर, मोडे, गोडे, पैर, गोडे, पैर।

भाषा: पञ्जाबी

मैथिली अनुवाद

माथ, कान्ह, ठेहुन, गोर, ठेहुन, गोर।
माथ, कान्ह, ठेहुन, गोर, ठेहुन, गोर।

हमर अइख, हमर कान, हमर मुँह, हमर नाक।
माथ, कान्ह, ठेहुन, गोर, ठेहुन, गोर।

आब अहाँ एहि गीतकेँ कोना गाओल जाएत से बुझि गेलहुँ तऽ दुनु भाषा मे एकर गतिविधि करु। अहाँ एकरा दोसरो भाषा मे जे अहाँ जनैत छी आजमा सकैत छी ? एहि गीतकेँ अलग-अलग (तिव्र आ मध्यम) गतिमे गएबाक प्रयास करू।

अहाँके बूझल अछि की ?

लय सङ्गीतमे ताल वा गतिकेँ देखबैत अछि। अहाँक हृदय केर धड़कन जकाँ ई स्थिर रहैछ। मुदा दौड़ैत काल जेना अहाँक हृदय केर धड़कन तेज भऽ जाइत अछि, आ सूतल मे मद्धम भऽ जाइत अछि, तहिना विभिन्न सङ्गीत सञ्जोजन लेल लय सेहो भिन्न भऽ सकैत अछि।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 8 एकटा जन्मदिनक गीत

जन्मदिन सभक हेतु महत्वपूर्ण होइछ। आउ हमसभ जन्मदिनक ई गीत सिखैत छी।

की अहाँ अपन प्रिय गीत गाबि सकैत छी आ ताली दऽ क ताल बनेबाक प्रयास कऽ सकैत छी?

गीतक बोल

जन्मदिनम् इदम् आयी प्रिय सखे
शन्तानो तु ते सर्वदा मुदम्
प्रार्थायामहे भव शतायुषी
ईश्वरः सदा त्वम् च रक्षतु
पुण्य कर्मणा कीर्तिमार्जय
जीवनम् त्व भवतु सार्थकम् ॥

अर्थ

प्रिय मित्र, जन्मदिन शुभ हो!
अहाँक जिनगीमे सुख आ बहुत रास नीक वस्तु आबए। हम अहाँक सुन्नर स्वास्थ्य हेतु ईश्वर सँ प्रार्थना करैत छी। अहाँ दीर्घायु होइ! भगवान अहाँक रक्षा करथि! अपन नीक काजक हेतु अहाँकेँ जानल जाएत। अहाँक जीवन उद्देश्यपूर्ण हो!

रचनाकार: स्वामी तेजोमयानन्द
भाषा: संस्कृत

शिक्षक केर टिप्पणी

कक्षामे कोनो बच्चाक जन्मदिवस गीत, नृत्य आ शुभकामना कार्ड बना कऽ मनाउ। एहि गतिविधिमे स्वाभाविक रूपसँ कला आबि जाएत।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 9 एकटा रुचिगर खिस्सा

प्राचीन संस्कृत ग्रन्थमे नारदीय शिक्षाक अनुसार, सङ्गीतक स्वर विभिन्न चिड़ै आ जीव-जन्तुक हल्ला आ ध्वनिसँ बनल।
आउ एहि गीतमे ओकरा सिखैत छी।

गीतक बोल

सा मोरक लेल अछि जे कतेक रङ्गगर अछि
रे बरदक लेल अछि जे वास्तवमे मजगूत होइ अछि
ग बकरीक लेल अछि जे चारूकात बुलैत अछि
म बगुलाक लेल अछि जे उज्जर आ लम्बा अछि
प सोहनगर आ मीठ कोयल लेल अछि
ध घोड़ाक लेल अछि जे दूर धरि दौड़ैत अछि
नी हाथीक लेल अछि जे बहूत पैघ अछि
ओ हमरा सभ के सा पर आपिस लए आओत...

सा रे ग म प ध नी सा प सा।
सा नी ध प म ग रे सा प सा।

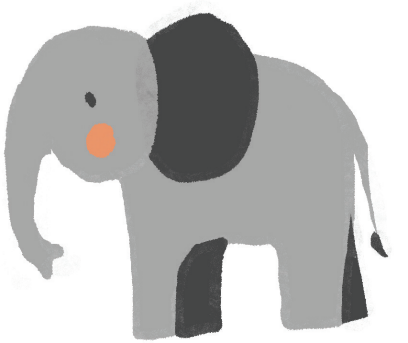

© NCERT not to be republished

गतिविधि 10 जानवर आ आवाज

उच्च स्वर आ निम्न स्वरबला जानवर आ चिड़ै केर अवाजक नकल उतारू।

ओहि जानवर आ चिड़ै केर नामक सूची बनाउ जकर अवाज अहाँ अपन लग-पासमे सुनैत छी। अपन अविभावक आ मित्रक सङ्ग एहि ध्वनिसभक नकल उतारू।

टिप्पणी

© NCERT not to be republished

गतिविधि 11 सरगम गएबाक विधि

नोट (स्वर लिपि) सङ्गीतक ब्लॉक अछि, जेना हमसभ घर बनएबाक हेतु ईंटाक उपयोग करैत छी।
अहाँकेँ ओ सातटा सुर याद अछि जे अपनासभ पहिने सिखने छलहुँ? आउ अपना सभ ओकरा सुनैत छी आ एक बेर फेरसँ एक सङ्ग गबैत छी। चलु किछु आओर सरगम वा अलङ्कार सिखैत छी। अलङ्कार शब्दक अर्थ सजावटि सेहो होइत अछि। तेँ अहाँ देखैत छी जे सङ्गीतमे स्वर गहना जकाँ रहैछ।

सस रेरे गग मम | पप धध | निनि संसं ||
संसं निनि धध पप | मम गग । रर सस ||

सरेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसं
संनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेस

एहि अभ्यासक कतेक पाँति अहाँ गाबि सकलहुँ?

जँ अहाँ सभ पाँति गएबामे असमर्थ छी, तऽ कोनो बात नहि अछि! अभ्यास करैत रहू।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 12

सुर-लिपि मे सङ्गीत (अलङ्कार आ सरगम) गाउ आ दोहराउ

अहाँके बूझल अछि की ?

नोट (स्वर लिपि) कतेक ऊँच वा निम्न अछि ई बतएबाक लेल हमसब 'पिच' (सुर) शब्दक प्रयोग करैत छियैक। सुरमे कोना गाओल जाय ई बुझबाक लेल हमसभ एकटा वाद्ययन्त्रक उपयोग करैत छियैक जकरा तम्बुरा वा तानपुरा कहल जाइत छैक। तम्बुरा एकटा नमगर गर्दनिबला तारबला वाद्ययन्त्र अछि, मुदा अहाँ लग इलेक्ट्रॉनिक तम्बुरा हएत। आब तऽ तम्बुरा ऐप सेहो अछि! जखन अहाँ भारतीय सङ्गीतक अभ्यास करैत छी तऽ तानपुरा अपन सुर लगएबा काल बहुत सहायक होइत अछि।

तानपुरा

नोट (स्वर लिपि)

(1) सा ग, सा ग,
सा ग म ग रे सा
रे ग रे ग,
रे ग प म ग रे
सा सा सा

थाप दियौ आ गाउ। अहाँ एहि शब्द सभक सङ्ग गाबि सकैत छी:

आउ, आउ,
खुशी मनाउ,
गाउ, गाउ
सब मिलि गाउ

(2) आउ हमसब दोसर सरगम वा अलङ्कार गाबी।

सा सा सा रे
रे रे रे ग
ग ग ग म
म म म प

खाली जगह भरू आओर गाउ।

_____

_____

नी नी नी सां

(एहि 'सां' कैं ऊपर एकटा बिन्दु अछि जकर अर्थ ई भेल जे अहाँकैं ऊँच सुर मे गाबए पड़त।)

© NCERT not to be republished

गतिविधि 13

तालक विषयमे सीखू-जानू-बुझू ।

अहाँ सिखलहुँ जे ताल आ लय केर एकटा पैटर्न (स्वरूप) अछि। हमसभ सङ्गीतमे लय (बीट) बना कऽ राखक हेतु तालक प्रयोग करैत छी। प्रत्येक तालमे एकटा निश्चित संख्यामे लय (बीट) होइत अछि, जे बेर-बेर दोहराएल जाइत अछि। एकरा तालचक्र कहल जाइत छै। अहाँ आदि ताल आ कहरवा पढ़ने छी।

आउ ओकर अभ्यास करू।

आब हम एकटा आओर ताल पढ़ैत छी जे छह लय (बीट) केर अछि।

धा धी ना/ धा ती ना

एहि तालक नाम दादरा अछि।

गतिविधि 14

एहि गीतकेँ सुनू आ एकरा ताल पर निर्धारित करबाक प्रयास करू

श्यामले मीनाक्षी

गीतक बोल

श्यामले मीनाक्षी
सुन्दरेश्वर साक्षी
शङ्करी गुरूगुहा
समुद्भावे शिवेव
पमार मोचनी
पङ्कजा लोचनी
पद्मासन वाणी
हरि लक्ष्मी विनुते शाम्भवी
श्यामले मीनाक्षी

गीतक सम्बन्धमे

ई गीत देवी मीनाक्षीक विषयमे अछि। ओ शिवक पत्नी आ संमुखाक माता छथि।

रचनाकार: मुथुस्वामी दिक्षितर
भाषा: संस्कृत
राग: शङ्करभरणम्
ताल: आदि

© NCERT not to be republished

किछु साङ्गीतिक शब्दावली

सङ्गीतमे, हमसभ निम्नलिखित सामान्य शब्दक प्रयोग करैत छी-

भारतीय सङ्गीत शब्द	अंग्रेजी शब्द
ताल	निश्चित नियत बोल (रिदमिक सायकल)
लय	गति (टेम्पो)
सम	तालक पहिल मात्रा (बीट)
आवर्तन	तालक एक चक्र

© NCERT not to be republished